

# 강헌 죄과 명리학

시즌5 기초

命理

신강신약, 원국의 완성

**제7강** 우주엔 좋은 것과 나쁜 것은 없다

# **신경과 신약**

**득령과 실령**

**득지와 실지**

**득세와 실세**

**극신강**

**신강 88**

**중화 55**

**신약 40**

**극신약 10**

|    |    |    |    |
|----|----|----|----|
| 12 | 본원 | 12 | 8  |
| 시간 | 본원 | 월간 | 연간 |
| 시지 | 일지 | 월지 | 연지 |
| 15 | 20 | 25 | 8  |

# 신강

-득령 득지 득세

-득령 득세

-득령 득지

-득세 득지

-장생 관대 건록 제왕이 많은 경우

-월령이 왕상할 경우

# 극신강 및 극신약

모두 활동성이 강하고 독립적이며  
과시성이 강하고 성패가 극단적이다

# 중화

안정성과 실천성이 꾸준하다

|     |                      |                |                |
|-----|----------------------|----------------|----------------|
| 시주  | 일주                   | 월주             | 연주             |
| ★   | ★●●★                 | ●              | ★              |
| 편재  | 본원                   | 정재             | 편재             |
| 壬   | 戊                    | 癸              | 壬              |
| 子   | 申                    | 卯              | 寅              |
| 정재  | 식신                   | 정관             | 편관             |
| ▲●  | ★●▲                  | ●              | ★              |
| 壬 癸 | 戊壬庚                  | 甲 乙            | 戊丙甲            |
| 태   | 병                    | 목욕             | 장생             |
| 도화  | 귀문<br>문창<br>암록<br>역마 | 공망<br>귀문<br>도화 | 공망<br>역마<br>천의 |

|      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| 98   | 88   | 78   | 68   | 58   | 48   | 38   | 28   | 18   | 8    |
| 정재   | 편재   | 상관   | 식신   | 겁재   | 비견   | 정인   | 편인   | 정관   | 편관   |
| 癸    | 壬    | 辛    | 庚    | 己    | 戊    | 丁    | 丙    | 乙    | 甲    |
| 丑    | 子    | 亥    | 戌    | 酉    | 申    | 未    | 午    | 巳    | 辰    |
| 겁재   | 정재   | 편재   | 비견   | 상관   | 식신   | 겁재   | 정인   | 편인   | 비견   |
| 양    | 태    | 절    | 묘    | 사    | 병    | 쇠    | 제왕   | 건록   | 관대   |
| 2018 | 2017 | 2016 | 2015 | 2014 | 2013 | 2012 | 2011 | 2010 | 2009 |
| 비견   | 정인   | 편인   | 정관   | 편관   | 정재   | 편재   | 상관   | 식신   | 겁재   |
| 戊    | 丁    | 丙    | 乙    | 甲    | 癸    | 壬    | 辛    | 庚    | 己    |
| 戊    | 酉    | 申    | 未    | 午    | 巳    | 辰    | 卯    | 寅    | 丑    |
| 비견   | 상관   | 식신   | 겁재   | 정인   | 편인   | 비견   | 정관   | 편관   | 겁관   |
| 묘    | 사    | 병    | 쇠    | 제왕   | 건록   | 관대   | 목욕   | 장생   | 양    |

|          |     |      |     |
|----------|-----|------|-----|
| 시주       | 일주  | 월주   | 연주  |
| ★        | ★   | ★●●★ | ●   |
| 비견       | 본원  | 편재   | 겁재  |
| 丁        | 丁   | 辛    | 丙   |
| 未        | 巳   | 卯    | 辰   |
| 식신       | 겁재  | 편인   | 상관  |
| ▲        | ●   | ▲    |     |
| 丁乙己      | 戊庚丙 | 甲乙   | 乙癸戊 |
| 관대       | 제왕  | 병    |     |
| 암록<br>화개 | 역마  |      |     |

|      |      |      |      |      |      |      |      |      |      |
|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|
| 100  | 90   | 80   | 70   | 60   | 50   | 40   | 30   | 20   | 10   |
| 편재   | 정재   | 식신   | 상관   | 비견   | 겁재   | 편인   | 정인   | 편관   | 정관   |
| 辛    | 庚    | 己    | 戊    | 丁    | 丙    | 乙    | 甲    | 癸    | 壬    |
| 丑    | 子    | 亥    | 戌    | 酉    | 申    | 未    | 午    | 巳    | 辰    |
| 식신   | 편관   | 정관   | 상관   | 편재   | 정재   | 식신   | 비견   | 겁재   | 상관   |
| 묘    | 절    | 태    | 양    | 장생   | 목욕   | 관대   | 건록   | 제왕   | 쇠    |
| 2024 | 2023 | 2022 | 2021 | 2020 | 2019 | 2018 | 2017 | 2016 | 2015 |
| 비견   | 정인   | 편인   | 정관   | 편관   | 정재   | 편재   | 상관   | 식신   | 겁재   |
| 甲    | 癸    | 壬    | 辛    | 庚    | 己    | 戊    | 丁    | 丙    | 乙    |
| 辰    | 卯    | 寅    | 丑    | 子    | 亥    | 戌    | 酉    | 申    | 未    |
| 상관   | 편인   | 정인   | 식신   | 편관   | 정관   | 상관   | 편재   | 정재   | 식신   |
| 쇠    | 병    | 사    | 묘    | 절    | 태    | 양    | 장생   | 목욕   | 관대   |

# 명식의 완성 ①

음양과 오행의 세력과  
판도를 본다

# 명식의 완성 ②

천간 지지의 합, 충, 형을 살피고  
지장간을 토대로  
일간의 강약을 판단한다

# 명식의 완성 ③

십신과 십이운성을 파악하여  
원국의 성격을 규명한다

# 명식의 완성 ④

신사의 유무와 공명을 살펴  
원국의 디테일을 완성한다

# 명식의 완성 ⑤

신강 신약을 가늠하고

이를 바탕으로 용신을 규정한다

# 명식의 완성 ⑥

대운과 세운,  
원국과의 합, 충, 형을 살핀다

# 명식의 완성 ⑦

주요 특수 관계인과의  
사주를 검토한다